(c) and (d). The relevant information is being collected and will be placed on the table of the House when received.

Indian Overseas Broadcasting

4321. Shri Shiva Chandra Jha: Will the Minister of **Information and Broadcasting** be pleased to state the number of Chinese-speaking Indians who are working in the Indian overseas broadcasting section of the A.I.R. for counteracting the anti-Indian propaganda of China?

The Minister of Information and Broadcasting (Shri K. K. Shah): There are at present two Indians knowing Chinese working in the Chinese Service of All India Radio.

Indians in China

4322. Shri Sradhakar Supakar: Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state.

(a) the number of Indians living in the People's Republic of China; and

(b) how many of them are working in the Indian Embassy there?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) 86.

(b) 24

चीन द्वारा भारत के विरुद्ध प्रचार

4323. श्री क० मि० मधुकर : क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल में पेकिंग रेडियो ने भारत विरोधी प्रचार बढ़ा दिया है;

(ख) चीन के इस झूठे प्रचार को भारत द्वारा किस प्रकार निराकरण किया जा रहा है; और

(ग) यदि उपर्युक्त भाग (ख) का उत्तर नकारात्मक हो तो इसके क्या कारण हैं ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री मु० क० चागला) : (क) जी हां ।

(ख) भारत सरकार और विदेश स्थित उसके मिशन प्रेस, रेडियो तथा अन्य सामूहिक माध्यम के जरिये सच्चाई बता कर इस झूठे प्रचार का प्रतिकार करने के लिए हर सुलभ अवसर का उपयोग करते हैं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

प्रसारण प्रभाग में कर्मचारियों की संख्या

4324. श्री रामचन्द्र वीरप्पा : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आकाशवाणी के दिल्ली केन्द्र के समाचार प्रसारण प्रभाग में अधिकारियों की स्वीकृत संख्या कितनी है और प्रत्येक वर्ग में इस समय कितने अधिकारी काम कर रहे हैं; और

(ख) क्या कुछ पद अब भी खाली पड़े हैं ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह). (क) और (ख). एक विवरण सभा पटल पर रखा है । [पुस्तकालय में रख दिया गया । देखिये संख्या LT-88, 57.

Foreign Diplomatic Missions in India

4325. Shri Shinkre: Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) the area occupied by each Foreign Diplomatic Mission in Delhi, Bombay and Calcutta for their establishments and residential quarters for their staff;

(b) the area occupied by the Indian Diplomatic Missions abroad in each country for the same purpose; and

(c) whether there is any embargo on acquiring land for the above-mentioned purpose in this country or in foreign countries?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) to (c). The information is being collected and will be placed on the Table of the House.

A.I.R. Stations in Gujarat

4326. Shri Narendra Singh Mahida: *Will the Minister of Information and Broadcasting* be pleased to state:

(a) the total number of All-India Radio Stations in Gujarat with their locations;

(b) whether Government propose to increase the number of these Stations in the near future, and

(c) if so, the locations thereof?

The Minister of Information and Broadcasting (Shri K. K. Shah): (a) The State of Gujarat has three radio stations at Ahmedabad Rajkot and Bhuj and an auxiliary studio centre at Baroda which feeds programmes to the Ahmedabad station

(b) Yes, Sir

(c) One more station of All India Radio is proposed to be set up in the area of Southern Gujarat and it is also proposed to instal a low power medium-wave transmitter at Baroda

भारतीय भाषाओं के समाचार पत्र

4327. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या सूचना और प्रसारण मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार का ध्यान इस बात की ओर दिलाया गया है कि भारतीय भाषाओं के समाचार पत्रों की आर्थिक स्थिति अंग्रेजी के समाचार पत्रों की आर्थिक स्थिति की तुलना में बहुत खराब है, और

(ख) यदि हां, तो भारतीय भाषाओं के समाचार पत्रों की स्थिति सुधारने के लिये सरकार ने अब तक क्या कार्यवाही की है अथवा करने का विचार है?

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) और (ख) सरकार को यह पता है कि सामान्तया प्रादेशिक भाषाओं के समाचार-पत्रों की आर्थिक अवस्था अंग्रेजी समाचार-पत्रों की तुलना में कमजोर है। विज्ञापन देने के मामले में, छोटे और मंझोले, विशेषकर प्रादेशिक भाषाओं के समाचार-पत्रों को अधिकतम सम्भव सहायता देने के लिये लगातार प्रयत्न किये जा रहे हैं। 1966-67 के दौरान भारतीय भाषाओं के समाचार-पत्रों को सजावटी विज्ञापनों के कुल स्थान का 77.3 प्रतिशत और वर्गीकृत विज्ञापनों का 54 प्रतिशत स्थान प्राप्त हुआ। परिवार नियोजन, पंचवर्षीय योजनाओं, बचत और खाद्य जैसे शिक्षाप्रद और जानकारी देने वाले राष्ट्रव्यापी अभियानों के बारे में सरकारी विज्ञापन मुख्यत भारतीय भाषाओं के पत्रों को ही दिये जाते हैं।

छोटे समाचार-पत्रों सम्बन्धी जांच-समिति की सिफारिशों के अनुसार छोटे समाचार पत्रों को ऋण की सुविधायें देने और एक समाचार पत्र वित्त निगम स्थापित करने का सवाल सरकार के विचाराधीन है।

नेपा के अखबारी कागज पर 50 रुपये प्रति मीटरी टन का उत्पादन शुल्क और आयात किये गये अखबारी कागज पर उतनी ही मात्रा का प्रतिभारी शुल्क हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन है।

1967-68 के लिये अखबारी कागज की नीति के अन्तर्गत छोटे और मंझोले समाचार पत्र, जिनमें से अधिकांश प्रादेशिक भाषाओं में छपते हैं, अखबारी कागज की